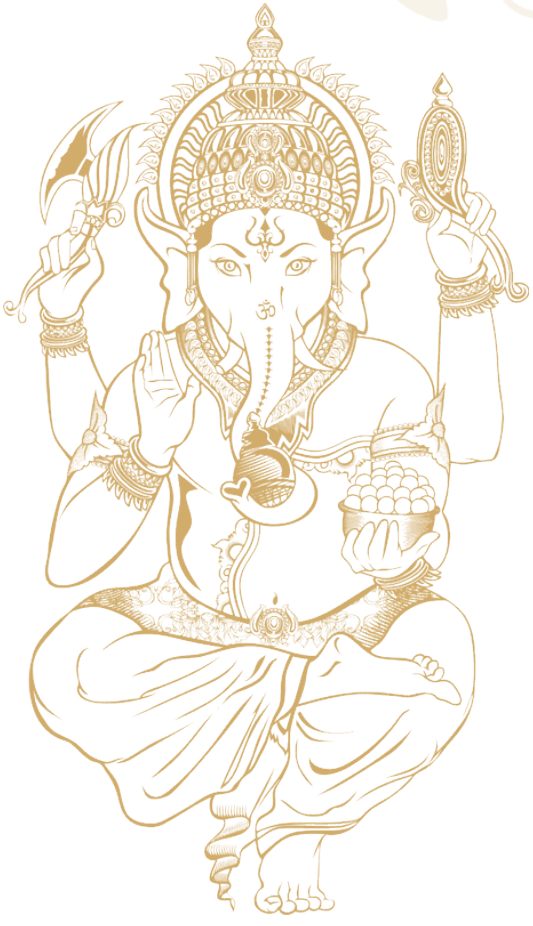

Vimal dubey

06 Apr 2000

11:45 AM

Jaunpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120970302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/04/2000**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:45:00 घंटे**
इष्ट	14:58:29 घटी
स्थान	**Jaunpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:44:00 उत्तर
रेखांश	82:41:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:45:44 घंटे
वेलान्तर	-00:02:22 घंटे
साम्पातिक काल	00:45:07 घंटे
सूर्योदय	05:45:36 घंटे
सूर्यास्त	18:18:07 घंटे
दिनमान	12:32:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	22:53:47 मीन
लग्न के अंश	26:52:17 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	विष्कुम्भ
करण	कौलव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	26:52:17	313:28:41	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	22:53:47	00:59:03	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मेष	12:29:33	14:11:32	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	16:30:18	00:43:27	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
बुध			कुंभ	26:35:30	01:18:46	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मेष	16:30:50	00:13:44	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			मीन	05:30:27	01:14:03	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि			मेष	22:15:19	00:07:05	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	06:31:39	00:11:08	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		मक	06:31:39	00:11:08	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	26:00:32	00:02:16	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप			मक	12:26:02	00:01:02	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:54:53	00:00:42	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			मीन	18:24:11	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:23

लग्न-चलित

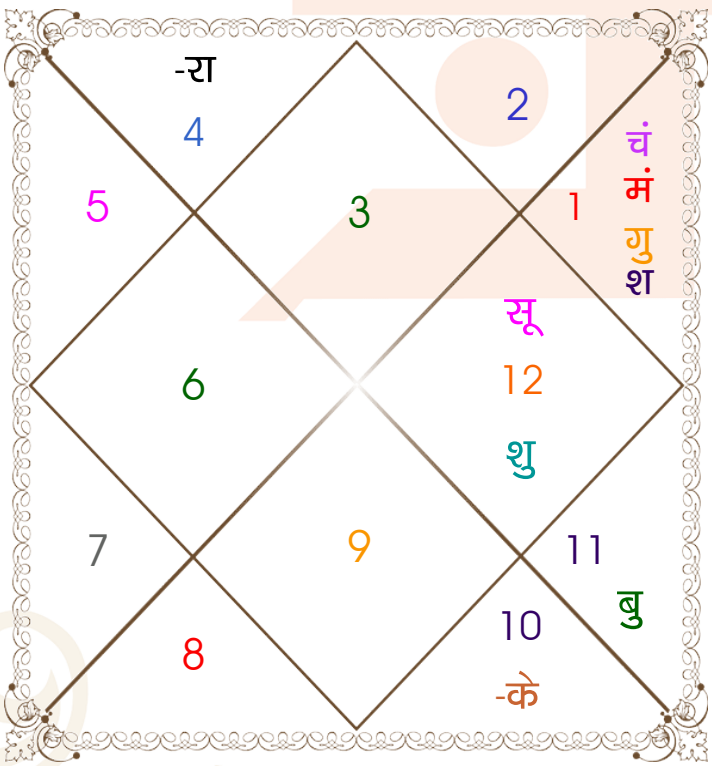

चन्द्र कुंडली

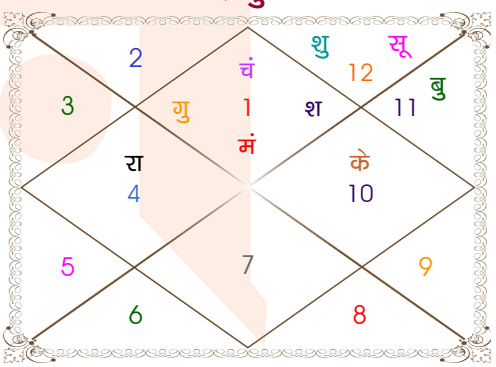

नवमांश कुंडली

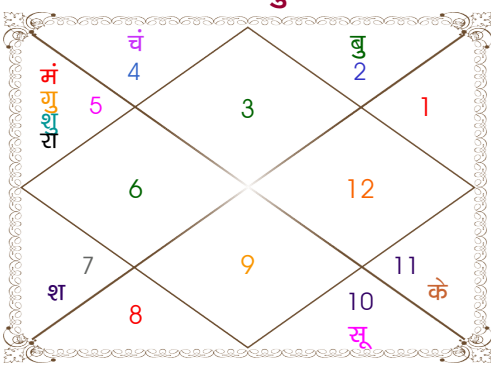

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 5 मास 9 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/04/2000		14/09/2000		14/09/2020		15/09/2026		14/09/2036	
14/09/2000		14/09/2020		15/09/2026		14/09/2036		15/09/2043	
	00/00/0000	शुक्र	15/01/2004	सूर्य	02/01/2021	चंद्र	16/07/2027	मंगल	10/02/2037
	00/00/0000	सूर्य	14/01/2005	चंद्र	03/07/2021	मंगल	14/02/2028	राहु	01/03/2038
	00/00/0000	चंद्र	15/09/2006	मंगल	08/11/2021	राहु	15/08/2029	गुरु	05/02/2039
	00/00/0000	मंगल	15/11/2007	राहु	03/10/2022	गुरु	15/12/2030	शनि	16/03/2040
	00/00/0000	राहु	15/11/2010	गुरु	22/07/2023	शनि	15/07/2032	बुध	13/03/2041
	00/00/0000	गुरु	16/07/2013	शनि	03/07/2024	बुध	15/12/2033	केतु	09/08/2041
	00/00/0000	शनि	14/09/2016	बुध	10/05/2025	केतु	16/07/2034	शुक्र	09/10/2042
	06/04/2000	बुध	16/07/2019	केतु	14/09/2025	शुक्र	16/03/2036	सूर्य	14/02/2043
बुध	14/09/2000	केतु	14/09/2020	शुक्र	15/09/2026	सूर्य	14/09/2036	चंद्र	15/09/2043

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/09/2043		14/09/2061		14/09/2077		14/09/2096		15/09/2113	
14/09/2061		14/09/2077		14/09/2096		15/09/2113		07/04/2120	
राहु	28/05/2046	गुरु	03/11/2063	शनि	17/09/2080	बुध	11/02/2099	केतु	12/02/2114
गुरु	21/10/2048	शनि	16/05/2066	बुध	28/05/2083	केतु	08/02/2100	शुक्र	14/04/2115
शनि	28/08/2051	बुध	21/08/2068	केतु	06/07/2084	शुक्र	10/12/2102	सूर्य	20/08/2115
बुध	16/03/2054	केतु	28/07/2069	शुक्र	06/09/2087	सूर्य	16/10/2103	चंद्र	20/03/2116
केतु	04/04/2055	शुक्र	28/03/2072	सूर्य	18/08/2088	चंद्र	17/03/2105	मंगल	16/08/2116
शुक्र	03/04/2058	सूर्य	14/01/2073	चंद्र	19/03/2090	मंगल	14/03/2106	राहु	03/09/2117
सूर्य	26/02/2059	चंद्र	16/05/2074	मंगल	28/04/2091	राहु	30/09/2108	गुरु	10/08/2118
चंद्र	27/08/2060	मंगल	22/04/2075	राहु	04/03/2094	गुरु	06/01/2111	शनि	19/09/2119
मंगल	14/09/2061	राहु	14/09/2077	गुरु	14/09/2096	शनि	15/09/2113	बुध	07/04/2120

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 5 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।